सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-285
29/06/2017

जन सेवा के प्रति हमारी जो प्रतिबद्धता है, उससे कोई समझौता नहीं :– मुख्यमंत्री

पटना, 29 जून 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज जहानाबाद में नवनिर्मित उदेरास्थान बराज योजना का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने उदेरास्थान बराज का भ्रमण किया तथा उदेरास्थान बराज पर बनाये गये कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया तथा उसकी शुरूआत की। उदेरास्थान बराज के उद्घाटन के साथ–साथ मंडई पुर्नगठित सिंचाई योजना का कार्य प्रारंभ, नसरतपुर वीयर सिंचाई योजना एवं कचनामा वीयर सिंचाई योजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयेाजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। उदेरास्थान बराज योजना का वर्ष 2006 में मेरे द्वारा शिलान्यास किया गया था। शिलान्यास के बाद इस योजना में कई प्रकार की बाधायें आयी। आयी हुयी बाधाओं को दूर करते हुये योजना का कार्यान्वयन हुआ अंततोगत्वा योजना का कार्य पूरा हुआ। कार्य पूरा हो जाने के बाद आज इस योजना का उद्घाटन करते हुये मुझे काफी प्रसन्नता है। उन्होंने कहा कि उदेरास्थान बराज योजना के साथ–साथ तीन अन्य योजनाओं का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले भी मैं मंडई पुर्नगठित सिंचाई योजना को देखने आया था। योजना का निरीक्षण किया था। योजना के कार्यान्वयन में राशि बढ़ गयी थी। राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त राशि दी गयी और आज योजना का कार्य प्रारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि उदेरास्थान में 1967 में पहले भी एक सिंचाई योजना बनायी गयी थी। स्व0 लाल सिंह त्यागी जी की कोशिश से यह योजना बनायी गयी थी। इस योजना के द्वारा 27 हजार हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती थी। योजना की सिंचाई क्षमता घटती गयी और योजना जीर्ण–शीर्ण अवस्था में आ गयी। उन्होंने कहा कि लोगों से बातचीत करने के दौरान उनके द्वारा इच्छा जतायी गयी थी कि वीयर की जगह इस स्थान पर बॉध होना चाहिये। इसके बाद उदेरास्थान बराज योजना बनायी गयी। आज इस योजना का उद्घाटन किया गया है। इस योजना से 42 हजार हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि बिहार की 76 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। जब तक खेती का और विकास नहीं होगा, तब तक लोगों की माली हालत में ज्यादा सुधार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कृषि के लिये सिंचाई जरूरी है, नहीं तो उत्पादकता नहीं बढ़ेगी और इस कारण किसानों की आमदनी नहीं बढ़ पायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई विभाग की समीक्षा के क्रम में यह बात सामने आयी कि सिंचाई विभाग मुख्यतः बाढ़ नियंत्रण का ही कार्य कर रहा था। सिंचाई विभाग के कार्यों को दो भागों में बॉटा गया। पहला भाग सिंचाई परियोजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य करेगा तथा दूसरा भाग बाढ़ नियंत्रण का कार्य करेगा। इसके बाद आज सिंचाई विभाग बाढ़ नियंत्रण का भी कार्य पूरी तरह कर रहा है। साथ ही साथ दूसरी तरफ सिंचाई योजनाओं पर भी काम हो रहा है। एक–एक कर सिंचाई योजनाओं को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बराज के साथ–साथ वितरणियों को भी प्रभावशाली बनाना होगा, नहीं तो बराज योजना का फायदा नहीं मिल पायेगा। पानी को खेत तक पहुॅचाना है, इसके लिये वितरणियों को प्रभावशाली करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उदेरास्थान बराज योजना के शिलान्यास के समय हम सड़क मार्ग से आये थे। इस पूरे इलाके को देखा था, तभी लगा था कि पूरा इलाका पर्यटक स्थल के

रूप में विकसित होना चाहिये। उन्होंने कहा कि अब बराज बनने के बाद इस जगह हमेशा पानी रहेगा और जब हमेशा पानी दिखेगा तो लोग इसके प्रति आकर्षित होंगे। उन्होंने कहा कि पूरे बराज क्षेत्र में पेड़–पौधे लगायें। इस जगह लोग पिकनिक मनाने आयेंगे, इस जगह को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बराज के ऊपर पुल का भी निर्माण किया गया है। सड़क से यह स्थान गया और नालंदा से भी जुड़ जायेगा। साथ ही एक आकर्षक रूप में विकसित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें समाज की कुरीतियों से भी छुटकारा पाना है। आज देखिये शराबबंदी का कितना अच्छा प्रभाव है। शराबबंदी के बाद माहौल बदल गया है। लोगों का पैसा जो पहले शराब में बर्बाद हो रहा था, वह अब बच रहा है। उन्होंने कहा कि अब हमें बिहार को नशामुक्ति की तरफ ले जाना है। नशामुक्ति के लिये 21 जनवरी 2017 को मानव श्रृंखला बनाया गया। सोचा था कि मानव श्रृंखला में करीब दो करोड़ लोग शामिल होंगे परंतु मानव श्रृंखला में चार करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया। यह कोई मामूली बात नहीं है, यह लोगों की नशामुक्ति के पक्ष में भावना का प्रकटीकरण था। उन्होंने कहा कि 9 जुलाई 2015 को श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित कार्यक्रम में जहानाबाद की महिलाओं ने ही शराबबंदी की मॉग की थी। महिलाओं की मॉग पर हमने शराबबंदी लागू करने का ऐलान किया था। आज बिहार में पूरी तरह से शराबबंदी लागू है। कोई कोताही नहीं बरतियेगा। पूरी मुस्तैदी के साथ इसे लागू करना है। सब लोगों को सजग होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भी समाज की अन्य कुरीतियों के विरूद्ध लड़ायी लड़नी है। बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के विरूद्ध सशक्त अभियान चलेगा। उन्होंने कहा कि 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के की शादी नहीं होनी चाहिये। ऐसी शादी होगी और कम उम्र में लड़की गर्भ धारण करेगी तो होने वाले बच्चे में तरह–तहर की बीमारियॉ होंगी। बिहार में आज नाटेपन की समस्या है, जिसका एक प्रमुख कारण बाल विवाह है। उन्होंने कहा कि दहेज गैर कानूनी है, फिर भी लोग दहेज लेते हैं। हमें दहेज एवं बाल विवाह से छुटकारा पाना है। राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी के जन्मदिन 2 अक्टूबर से बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के विरूद्ध सशक्त अभियान की शुरूआत की जायेगी। आप सबका इसमें सहयोग मिलना चाहिये। उन्होंने आह्वान किया कि अगर किसी शादी में दहेज लिया गया हो तो उसमें शामिल नहीं होइये, इसका काफी प्रभाव पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी प्रतिबद्धता न्याय के साथ विकास है। समाज के हर तबके, हर इलाके का विकास महागठबंधन सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के लिये सात निश्चय योजनाओं को अपनाया गया। मुखिया जी लोगों का कहना है कि हमारा अधिकार छिन लिया गया है, ऐसा कुछ नहीं है। सबको मिलकर काम करना है। हर घर नल का जल, हर घर तक पक्की गली–नाली का निर्माण किया जाना है। ग्राम पंचायतों द्वारा विकेन्द्रीकृत तरीके से इन योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। अगले चार साल के अंदर इन योजनाओं को पूरा कर लेना है। उन्होंने कहा कि हम लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिये हमेशा काम करते हैं। आप लोग गुमराह मत होइये। हमें पंचायतों को और मजबूत करना है। चार साल के अंदर यह सब काम हो जायेगा तो लोग आपकी कितनी इज्जत करेंगे, मिलकर काम कीजिये। उन्होंने कहा कि इस साल के अंत तक हर बसावट तक तथा 2018 के दिसम्बर तक हर घर तक बिजली पहुॅचा देंगे। हम हर काम जनहित के सभी पक्ष को देखकर करते हैं। यह फैसला जन–जन के हित का फैसला है। आप सब मिलकर पंचायतों के विकास के लिये कीजिये। जनता से ऊपर कोई नहीं है। सब जनता का हुकूम है। हम जब कोई चीज बोलते हैं तो उसे करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज सुधार का काम है शराबबंदी। कहीं कोई इधर–उधर तो नहीं कर रहा है, इस पर ध्यान रखियेगा। साथ ही कहीं कोई शराब के अलावा कोई अन्य मादक पदार्थ तो नहीं ले रहा है, इस पर भी नजर रखियेगा। कुछ पढ़े–लिखे लोग खासकर

अंग्रेजी लिखने वाले लोग इसे अपने लिबर्टी के साथ जोड़ते हैं। शराब पीना लिबर्टी नहीं बर्बादी है। उन्होंने कहा कि लोग कहते थे कि शराबबंदी के बाद बिहार में आने वाले पर्यटकों की संख्या घट जायेगी। वर्ष 2015 के अनुपात में वर्ष 2016 में बिहार में घरेलू पर्यटकों की संख्या में 68 प्रतिशत तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। उन्होंने कहा कि हमारी जो प्रतिबद्धता है जन सेवा की, उसके साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस काम का शिलान्यास किया था, उसका आज उद्घाटन में काफी प्रसन्नता हो रही है। उदेरास्थान बराज एवं अन्य येाजनाओं के उद्घाटन के लिये मैं आप सबों को बधाई देता हूँ।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्यमंत्री को फुलों का बड़ा माला पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही जल संसाधन विभाग एवं जिला प्रशासन जहानाबाद की ओर से मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न भेंट किया गया।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, उद्योग मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री श्री जयकुमार सिंह, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, सांसद श्री अरूण कुमार, सांसद श्री कौशलेन्द्र कुमार, विधायक श्री मुन्द्रिका सिंह यादव, विधायक श्री सूबेदार दास, विधायक श्री चन्द्रसेन प्रसाद, विधायक श्री अतरी मुनी उर्फ शक्ति यादव, विधान पार्षद श्रीमती रीना देवी, पूर्व विधायक श्री अभिराम शर्मा, अन्य गणमान्य व्यक्ति, प्रधान सचिव जल संसाधन श्री अरूण कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, आयुक्त मगध प्रमण्डल श्री जीतेन्द्र श्रीवास्तव, जिलाधिकारी जहानाबाद श्री मनोज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक जहानाबाद श्री आदित्य कुमार सहित जल संसाधन विभाग के अभियंतागण एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

******